विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव और छीजत रोकने की पहल
मानसरोवर में पहला मॉडल उपखण्ड बनेगा

जयपुर, 19 जुलाई। बिजली के तारों से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने और छीजत कम करने के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मंगलवार को ऊर्जा दिवस पर एक पायलेट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया है। राजस्थान विद्युत नियामक आयोग और जयपुर विद्युत वितरण निगम की पहल पर यह कार्य एक एनजीओ समता पॉवर को सौपा गया है जो मानसरोवर में उपखण्ड को एक मॉडल के रूप में विकसित करेगी।

जयपुर विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक अनिल कुमार बोहरा की उपस्थिति में इस सब डिवीजन को मॉडल के रूप में विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस अवसर पर वितरण निगम के तकनीकी निदेशक सुनिल मेहता, मुख्य अभियन्ता नवीन अरोड़ा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बोहरा ने इस परियोजना को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा उदय योजना लागू होने के बाद विद्युत वितरण निगम के सामने बेहतर काम के अलावा कोई विकल्प नही रहा है और इसकी सफलता अन्य लोगों को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी। उनका कहना था कि विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए वितरण निगम प्रयास कर रहा है और यह पायलेट प्रोजेक्ट इसी दिशा में पहला कदम है।

ऊर्जा दिवस के साथ ही आज गुरूपूर्णिमा भी थी और इस अवसर पर वितरण निगम के अधिकारियों ने अपने गुरूजनों को याद किया और कहा कि उन्होंने अपने समय में सीमित साधनों और जन शक्ति की कमी के बावजूद पूर्ण समर्पण और सकारात्मक मानसिकता के साथ कार्य किया।

समारोह में उपस्थित सेवानिवृत्त विद्युत अभियन्ताओं का मानना था कि आज विद्युत उपभोक्ता बिजली खर्च करने के पूरे पैसे देने को तैयार है, आवश्यकता इस बात की है उसे बिजली कार्यालयों के चक्कर नही लगाने पड़े। उसे सही बिल मिलेगा तो पैसे देने में कोई परेशानी नही है। उनका कहना था कि तकनीकी उपायों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और बिजली की चोरी और छीजत पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।

समता पॉवर के निदेशक बाल मुकुन्द सनाढ्य ने कहा कि यह परियोजना एक पहल है और इसे निरन्तर आगे बढ़ाया जाएगा। उनका कहना था कि विद्युत तारों से होने वाली दुर्घटनाएं अत्यन्त दुखद है और उनका प्रयास होगा कि इस सब डिवीजन को आदर्श उपखण्ड के रूप में इस तरह विकसित किया जाए कि उपभोक्ताओं और विद्युत कर्मचारियों में दुर्घटनाएं रोकने के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके।

.....